

इकाई-II

6. अरमान

-रामनरेश त्रिपाठी

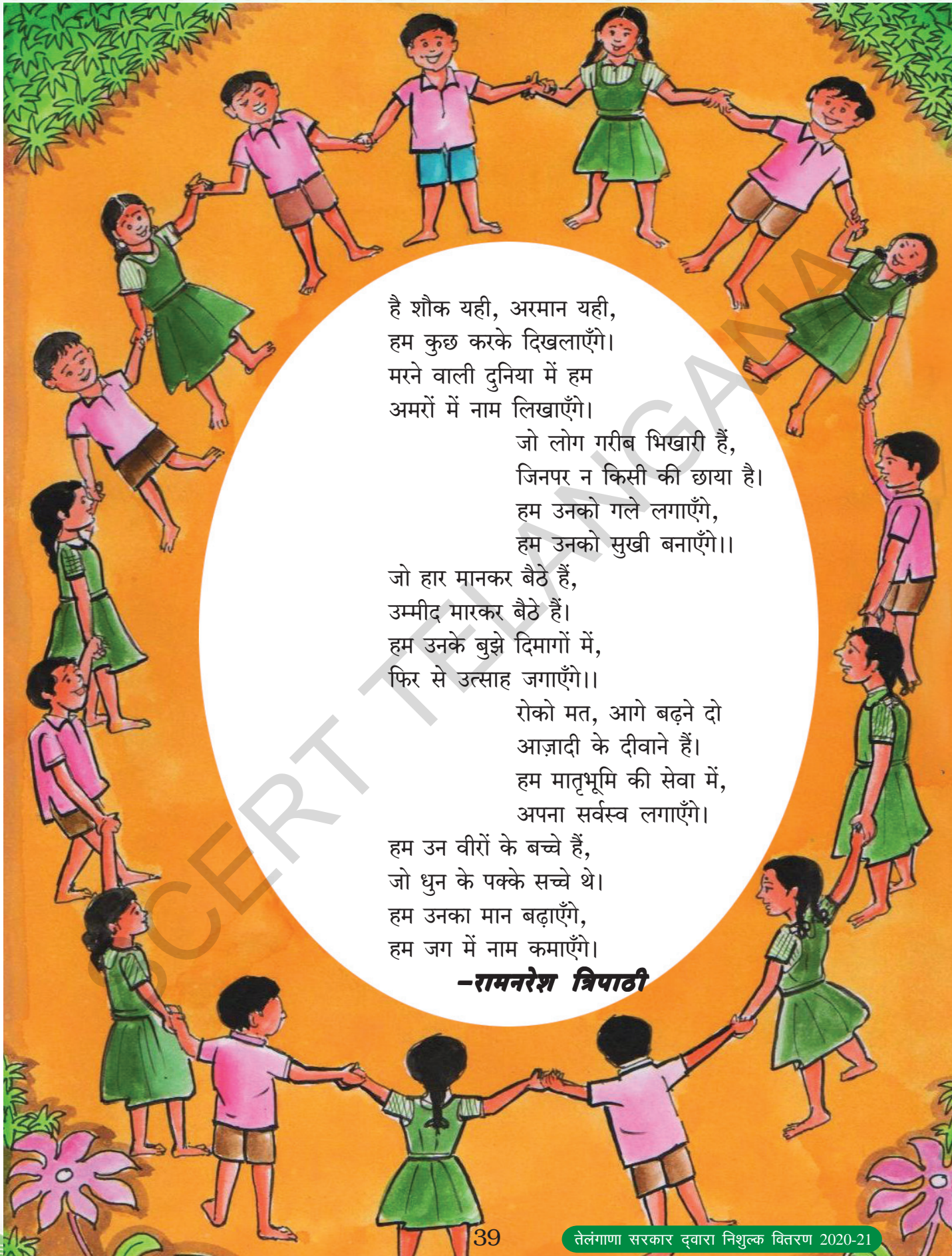
प्रस्तावना प्रसंग-



अपने लिए जिए तो क्या जिए,
तू जी ऐ दिल ज़माने के लिए।

प्रश्न

1. केवल अपने लिए जीना क्यों व्यर्थ है?
2. ज़माने के लिए जीने से क्या तात्पर्य है?
3. इस नीति के बारे में आप के क्या विचार हैं?



है शौक यही, अरमान यही,
हम कुछ करके दिखलाएँ।
मरने वाली दुनिया में हम
अमरों में नाम लिखाएँ।
जो लोग गरीब भिखारी हैं,
जिनपर न किसी की छाया है।
हम उनको गले लगाएँ,
हम उनको सुखी बनाएँ॥
जो हार मानकर बैठे हैं,
उम्मीद मारकर बैठे हैं।
हम उनके बुझे दिमागों में,
फिर से उत्साह जगाएँ॥
रोको मत, आगे बढ़ने दो
आज़ादी के दीवाने हैं।
हम मातृभूमि की सेवा में,
अपना सर्वस्व लगाएँ।
हम उन वीरों के बच्चे हैं,
जो धुन के पक्के सच्चे थे।
हम उनका मान बढ़ाएँ,
हम जग में नाम कमाएँ।

-रामनरेश त्रिपाठी

प्रश्न-अभ्यास



सुनिए-बोलिए

1. प्रत्येक बच्चा जीवन में कुछ न कुछ बनना चाहता है। सबके मन में कोई न कोई अभिलाषा होती है। आप क्या बनना चाहते हैं? कारण सहित बताइए।
2. जीवन में हम अनेक कार्य करते हैं, कुछ अपने लिए तो कुछ दूसरों के लिए। आप किसके लिए काम करना पसंद करेंगे? क्यों? इस बारे में अपने मित्रों के भी विचार जानिए।



पढ़िए

1. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़िए। इनमें कविता की जिन पंक्तियों के भाव आए हैं, उन्हें लिखिए।
क. जो लोग निर्धन हैं, गरीब हैं, भीख माँग कर अपना जीवन बिताते हैं। जिनका कोई ध्यान नहीं रखता। जिनकी कोई सहायता नहीं करता। हम उनकी सहायता करेंगे। उनको सुखी बनायेंगे।
ख. हमारे पूर्वज बहुत बहादुर थे। बड़े मेहनती थे। उन्होंने हमें बहुत कुछ सिखाया। विश्व में भारत देश की अलग पहचान बनायी। अब हम उनका नाम और आगे बढ़ाएँगे।
2. 'रोको मत, आगे बढ़ने दो
आज़ादी के दीवाने हैं।' इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।



लिखिए

1. अमरों में नाम लिखाने के लिए हमें क्या करना होगा? चर्चा कीजिए।
2. उम्मीद खोने का क्या मतलब है? उम्मीद खो देने वाले लोगों का जीवन कैसा होता है?
3. हमें गरीब लोगों की मदद क्यों करनी चाहिए?
4. हमारा देश आगे कैसे बढ़ सकता है?
5. धुन के पक्के लोग कैसे होते हैं?



शब्द भंडार

नीचे दिए गए मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग करो।

- | | | |
|-------------------|-------------------|------------------------|
| 1. कुछ कर दिखलाना | 2. अमर हो जाना | 3. किसी की छाया न होना |
| 4. गले लगाना | 5. दिमाग बुझ जाना | 6. उत्साह जगाना |
| 7. आगे बढ़ना | 8. नाम कमाना | |



भाषा की बात

नीचे दिए गए शब्दों में संज्ञाएँ और उनके विशेषण रूप हैं। इनका अपने वाक्यों में प्रयोग करें और अंतर समझें।

शौक-शौकीन, नाम - नामी, सुख -सुखी, उत्साह-उत्साही, वीर-वीरता



सृजनात्मक अभिव्यक्ति

आप भी कविता लिखने का प्रयास कर सकते हैं। इस कविता की पंक्तियाँ आगे बढ़ाइए।



प्रशंसा

जीवन में सबका कुछ न कुछ अरमान होता है। कभी-कभी एक की इच्छा दूसरे की इच्छापूर्ति में बाधक बन जाती है। अपनी इच्छा पूरी करते समय दूसरों की इच्छा का ख्याल रखना सज्जन मनुष्य का गुण है। इस संदर्भ में आप अपने विचार लिखिए।



परियोजना कार्य

कोई एक व्यक्ति जिसे आप अमर मानते हैं, उसके बारे में जानकारी एकत्र करके लिखिए।



क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के भाव के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. पाठ के विषय में मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति कर सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ के शब्दों का प्रयोग अपनी भाषा में कर सकता/सकती हूँ।		
4. सेवाभाव का महत्व बता सकता/सकती हूँ।		
5. परिचित विषय पर कविता लिखने का प्रयास कर सकता/सकती हूँ।		